

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, धर्मशास्त्र, सत्र 20, ईश्वर, देवदूत, शैतान और राक्षसों के कार्य

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र, या ईश्वर पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 20 है, ईश्वर, देवदूत, शैतान और राक्षसों के कार्य।

हम ईश्वर के सिद्धांत, विशेष रूप से अब उनके कार्यों के बारे में बात कर रहे हैं।

हमने पवित्र त्रिदेव और ईश्वर के गुणों पर चर्चा की। ईश्वर के कार्यों में उनकी सृष्टि और विधान के कार्य शामिल हैं, जिन पर हमने चर्चा की है। उनके उद्धार और पूर्णता के कार्य अन्य पाठ्यक्रमों से संबंधित हैं, इस पाठ्यक्रम से नहीं।

तो, अब हम परमेश्वर के प्राणियों, स्वर्गदूतों की ओर बढ़ते हैं। परमेश्वर स्वर्गदूतों को बनाता है, और कुछ विद्रोही भी। परमेश्वर सभी चीजों को बनाता है, और इसमें स्वर्गदूत भी शामिल हैं।

तो क्या परमेश्वर शैतान और राक्षसों को बनाता है? परमेश्वर उन्हें अच्छे स्वर्गदूतों के रूप में बनाता है, लेकिन वे उसके खिलाफ विद्रोह करते हैं और बुरे स्वर्गदूत बन जाते हैं। हालाँकि हम पूरी तरह से नहीं समझते हैं, परमेश्वर, अपने विधान में, विद्रोह की अनुमति देता है। संप्रभुता और रहस्यमय तरीके से, वह बुराई का भी परम भलाई के लिए उपयोग करता है।

शैतान विज्ञान, शैतान का सिद्धांत प्रस्तुत नहीं करता है। और यह पूर्ण राक्षस विज्ञान, राक्षसों का सिद्धांत प्रस्तुत नहीं करता है।

शैतान विद्या या राक्षस विद्या प्रस्तुत नहीं करता है, लेकिन इन विषयों पर कुछ सत्य सिखाता है। देवदूत। परमेश्वर अपनी आराधना और सेवा करने के लिए स्वर्गदूतों का निर्माण करता है।

जाहिर है, इंसानों की रचना से पहले कई स्वर्गदूतों ने विद्रोह किया था। और यही शैतान और उसके राक्षसों की उत्पत्ति है। जाहिर है, यह एक महत्वपूर्ण शब्द है।

स्वर्गदूतों, लेकिन फिर भी शैतान और राक्षसों के सिद्धांत के कई पहलुओं का अनुमान लगाया जाता है। खैर, यहाँ एक निहितार्थ है। यह बहुत कठिन है।

इसलिए मैं कहता हूँ कि हमारे पास इनमें से किसी भी बात का पूरा सिद्धांत नहीं है। लेकिन हमारे पास कुछ सत्य हैं। हम उनके साथ काम करते हैं और अटकलें लगाने की कोशिश नहीं करते और जब हम कोई कदम उठाते हैं, जब हम कोई अनुमान लगाते हैं, और इसी तरह की अन्य बातें करते हैं, तो उसे कहने देते हैं।

पवित्रशास्त्र हमें स्वर्गदूतों, शैतान या राक्षसों के बारे में पूरी जानकारी नहीं देता, लेकिन उन सभी के बारे में बात करता है, यह परमेश्वर के संबंध में बहुत महत्वपूर्ण है। त्रिदेवों के विपरीत, स्वर्गदूत

सृष्टि या उद्धार में कोई भूमिका नहीं निभाते। लेकिन अच्छे स्वर्गदूतों की परमेश्वर के संदेशवाहक, न्यायाधीश और संरक्षक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ हैं।

वे परमेश्वर के सामने उपस्थित होते हैं। अय्यूब 1:6, अय्यूब 2:1। स्वर्गदूत उसकी स्तुति करते हैं। भजन 148:1 और 2, जिसे हम पढ़ते हैं।

यशायाह 6:3. साराप एक दूसरे से कहने लगे, "पवित्र, पवित्र, पवित्र सर्वशक्तिमान यहोवा है। सारी पृथ्वी उसकी महिमा से भरी हुई है। और वे उसकी आराधना करते हैं।"

इब्रानियों 1:6. जब परमेश्वर अपने पुत्र, अपने ज्येष्ठ पुत्र को संसार में लाता है, तो इब्रानियों 1 के संदर्भ में, यह बेथलेहम की कहावत नहीं है, यह स्वर्गीय संसार में है। इब्रानियों 1 मसीह के राजा के रूप में राज्याभिषेक के बारे में है जब वह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठता है। स्वर्गदूत परमेश्वर की स्तुति करते हैं, और वे मसीह और पिता की आराधना करते हैं, और हम कहेंगे कि पूर्ण हो, और पवित्र आत्मा की।

इब्रानियों 1:6. जब परमेश्वर अपने ज्येष्ठ पुत्र को स्वर्गीय संसार में लाता है, तो वह कहता है, परमेश्वर के सभी स्वर्गदूत उसकी आराधना करें, अर्थात् मसीह की। प्रकाशितवाक्य 4:8. परमेश्वर की आराधना स्वर्गदूत करते हैं। स्वर्गदूत परमेश्वर के सामने प्रकट होते हैं।

अय्यूब 1:6, 2:1. वे परमेश्वर की स्तुति करते हैं। भजन 148:1 और 2. यशायाह 6:3. और वे परमेश्वर की आराधना करते हैं। इब्रानियों 1:6. यहाँ तक कि मसीह की भी।

प्रकाशितवाक्य 4:8. परमेश्वर स्वर्गदूतों को आत्मिक प्राणियों के रूप में बनाता है। भजन संहिता 148:1 से 5. कुलुस्सियों 1:16. स्वर्गदूत उन अदृश्य चीजों में से हैं जिन्हें परमेश्वर बनाता है। इब्रानियों 1:14. क्या वे सभी सेवकाई करने वाली आत्माएँ नहीं हैं जिन्हें उन लोगों की सेवा करने के लिए भेजा गया है जो उद्धार प्राप्त करेंगे? परमेश्वर स्वर्गदूतों को आत्मिक प्राणियों के रूप में बनाता है।

भजन 148:1 से 5. कुलुस्सियों 1:16. इब्रानियों 1:14. वह उन्हें बड़ी संख्या में बनाता है। व्यवस्थाविवरण 33:2. असंख्यों की संख्या. मत्ती 26:53. इब्रानियों 12:23. प्रकाशितवाक्य 5:11. जब इब्रानियों के लेखक आध्यात्मिक सिय्योन पर्वत, जो स्वर्ग का एक चित्र है, की तुलना वास्तविक सिय्योन पर्वत से करते हैं, जहाँ व्यवस्था दी गई थी, तो वह कहते हैं, इब्रानियों 12:22. तुम सिय्योन पर्वत और जीवित परमेश्वर के नगर, स्वर्गीय यरूशलेम, और उत्सवी सभा में असंख्य स्वर्गदूतों के पास आए हो।

और यह आगे बढ़ता है और असंख्य स्वर्गदूतों को उत्सव मनाते हुए और भी बहुत कुछ कहता है। परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को बड़ी संख्या में बनाया है।

व्यवस्थाविवरण 33:2. मत्ती 26:53. इब्रानियों 12:22. प्रकाशितवाक्य 5:11. उनके पास कुछ संगठन है क्योंकि वहाँ प्रधान स्वर्गदूत, दूसरों के ऊपर स्वर्गदूत, नेता हैं। 1 थिस्सलुनीकियों 4:16 और यहूदा 9. शास्त्र में दो स्वर्गदूतों का नाम है, माइकल, दानिय्येल 12:1 और गेब्रियल, दानिय्येल

8:16, लूका 1:19 और 26। इसलिए, हम स्वर्गदूतों के संगठन के बारे में वह सब नहीं जानते जो हम जानना चाहते हैं, लेकिन कुछ स्पष्ट रूप से नेता हैं।

यह कहने का एक अच्छा तरीका है। प्रधान स्वर्गदूत। 1 थिस्सलुनीकियों 4:16 और यहूदा 9। दो स्वर्गदूतों के नाम हैं, मीकाएल, दानिय्येल 12:1, गेब्रियल, दानिय्येल 8:16, लूका 1:19 और 26।

हालाँकि स्वर्गदूत कभी-कभी मानव रूप में दिखाई देते हैं, उत्पत्ति 18:1 और 2, उनके पास भौतिक शरीर नहीं होते, वे विवाह या संतान नहीं करते, और न ही मरते हैं। वे कभी-कभी मानव रूप में दिखाई देते हैं, उत्पत्ति 18:1 और 2, उनके पास भौतिक शरीर नहीं होते, वे विवाह या संतान नहीं करते, मत्ती 22:30 और न ही मरते हैं, लूका 20:36। आम गलतफहमियों के विपरीत, पवित्रशास्त्र में स्वर्गदूत महिलाओं या शिशुओं के रूप में नहीं दिखाई देते हैं, बल्कि कभी-कभी शक्तिशाली मानव योद्धाओं के रूप में दिखाई देते हैं। स्वर्गदूतों के पास महान बौद्धिक कौशल है, लेकिन भगवान के विपरीत, उनका ज्ञान सीमित है, मत्ती 13:32। यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी नहीं जानते कि मनुष्य का पुत्र कब वापस आएगा।

उस दिन या उस घड़ी के बारे में कोई नहीं जानता, यहाँ तक कि स्वर्ग के स्वर्गदूत भी नहीं। यह इस बात का संकेत है कि जब यह कहा जाता है कि वे भी नहीं जानते, यहाँ तक कि ये बहुत बुद्धिमान प्राणी भी नहीं, न ही बेटा बल्कि केवल पिता। यह ईसाई धर्मशास्त्र के लिए एक सवाल, एक समस्या खड़ी करता है।

मुझे लगा बेटा सब कुछ जानता है। मुझे लगा वह भगवान है। वह भगवान है।

ईश्वर-मनुष्य के रूप में उसके पास अपनी सारी दिव्य शक्तियाँ हैं, लेकिन वह उनका उपयोग केवल पिता की आज्ञाकारिता में करता है। और हमें नहीं पता कि किन कारणों से, देहधारी पुत्र, पृथ्वी पर रहते हुए, अपने लौटने का समय नहीं जानता था क्योंकि पिता नहीं चाहता था कि वह जाने। बेशक, अब वह स्वर्ग में महिमा में देहधारी पुत्र के रूप में यह जानता है।

स्वर्गदूत मनुष्यों से अधिक शक्तिशाली होते हैं। भजन संहिता 103:20 उन्हें शक्तिशाली और सामर्थी कहता है। 2 पतरस 2:11 स्वर्गदूतों की निंदा करने से सावधान करता है, जिसके बारे में हम नहीं जानते कि हम क्या कह रहे हैं।

हमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, लेकिन झूठे भविष्यद्वक्ता यही कर रहे थे। ये झूठे शिक्षक निडर और स्वेच्छाचारी हैं, 2 पतरस 2:10, वे महिमावान लोगों की निन्दा करते हुए नहीं डरते। जबकि स्वर्गदूत, शक्ति और सामर्थ्य में उनसे अधिक होने पर भी, प्रभु के सामने उनके विरुद्ध निन्दापूर्ण निर्णय नहीं सुनाते।

उन्होंने प्रभु को ऐसा करने दिया। फिर से, हम वहाँ थोड़ा-थोड़ा करके और वहाँ थोड़ा-थोड़ा करके एक सिद्धांत बुनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह पूरा नहीं है। स्वर्गदूत हमसे ज़्यादा शक्तिशाली हैं।

भजन 103:20, 2 पतरस 2:11, लेकिन परमेश्वर के विपरीत, उनकी शक्ति सीमित है, क्योंकि वे उसके द्वारा बनाए गए प्राणी हैं। परमेश्वर के प्राणी होने के नाते, स्वर्गदूत ईश्वरीय नहीं हैं और उनकी पूजा नहीं की जानी चाहिए। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दो बार, जब यूहन्ना को परमेश्वर से ये दर्शन प्राप्त होते हैं, तो वह अभिभूत हो जाता है और उस स्वर्गदूत के चरणों में गिर जाता है, जिसका प्रकटकर्ता स्वर्गदूत है।

प्रकाशितवाक्य 19:10, प्रकाशितवाक्य 22:8 और 9. उठो! ऐसा मत करो, स्वर्गदूत कहते हैं। हम दोनों ही परमेश्वर की आराधना करते हैं। तुम मेरी आराधना करने का दिखावा भी नहीं करते।

प्रकाशितवाक्य 19:10, प्रकाशितवाक्य 22:8 और 9. स्वर्गदूत वे प्राणी हैं जो अपने निर्माता परमेश्वर की आराधना करते हैं। अच्छे स्वर्गदूत परमेश्वर के सेवक हैं जो उसकी इच्छा पूरी करते हैं। भजन 103:20 और 21.

मैं बार-बार उसी पर आता हूँ। भजन 103. प्रभु ने स्वर्ग में अपना सिंहासन स्थापित किया है और उसका राज्य सब पर शासन करता है।

हे उसके दूतों, हे पराक्रमी लोगों, यहोवा को धन्य कहो। उनकी शक्ति का अच्छा प्रमाण है। भजन संहिता 103:20। जो उसके वचन पर चलते हैं, उसके वचन की आवाज़ को मानते हैं।

यहोवा को धन्य कहो, उसकी सारी सेना, उसके सेवक जो उसकी इच्छा पूरी करते हैं। अच्छे स्वर्गदूत परमेश्वर के सेवक हैं जो उसकी इच्छा पूरी करते हैं। भजन 103:20 और 21.

और वे चार मुख्य कार्य करते हैं। एक, वे परमेश्वर की आराधना और प्रशंसा करते हैं। भजन संहिता 148:2. लूका 2:13 और 14. प्रकाशितवाक्य 5:11 और 12.

वे परमेश्वर के संदेशवाहक के रूप में सेवा करते हैं। दानियेल 9:21.22, लूका 1:19, प्रेरितों के काम 10:22, प्रकाशितवाक्य 1:1.

तीन, वे विद्रोही मनुष्यों पर परमेश्वर का न्याय लाते हैं। 2 राजा 19:35, प्रेरितों के काम 12:23, प्रकाशितवाक्य 9:15.

चार, वे परमेश्वर के लोगों की सेवा करते हैं। इब्रानियों 1.14, प्रेरितों के काम 5.19. खास तौर पर उन्हें सुरक्षित रखकर। मत्ती 2.13, प्रेरितों के काम 5.17-21. समीक्षा करने के लिए, अच्छे स्वर्गदूत परमेश्वर के सेवक हैं जो उसकी इच्छा पूरी करते हैं और चार मुख्य कार्य करते हैं।

वे परमेश्वर की आराधना और स्तुति करते हैं। वे उसके दूत के रूप में सेवा करते हैं। वे न्याय लाते हैं। और वे परमेश्वर के लोगों की सेवा करते हैं। वे परमेश्वर की आराधना और स्तुति करते हैं। भजन 148:2, लूका 2:13 और 14।

मसीह के जन्म के समय स्वर्गदूतों ने स्तुति में गीत गाये। प्रकाशितवाक्य 5:11 और 12. वे परमेश्वर के संदेशवाहक के रूप में सेवा करते हैं।

दानियेल 9:21 और 22. लूका 1:19, गेब्रियल मरियम को मसीहा के साथ उसकी गर्भावस्था के बारे में संदेश देता है। प्रेरितों के काम 10:22, प्रकाशितवाक्य 1:1. खैर, यह गलत था।

स्वर्गदूत गेब्रियल ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के पिता जकर्याह को दर्शन दिया। मैं गेब्रियल हूँ। मैं परमेश्वर की उपस्थिति में खड़ा हूँ।

मुझे तुमसे बात करने और तुम्हें यह खुशखबरी सुनाने के लिए भेजा गया है। परमेश्वर उस व्यक्ति को भेजेगा जो प्रभु के सामने जाएगा। वह तुम्हारे और तुम्हारी पत्नी के लिए जन्म लेने वाला है।

क्योंकि तुमने संदेह किया, तुम तब तक गूंगा नहीं बोल पाओगे जब तक वह पैदा नहीं हो जाता। और जब वह पैदा हुआ, तो उसने पट्टिका पर लिखा, उसका नाम जॉन है। यह एक झटका था, जॉन द बैपटिस्ट।

एक स्वर्गदूत मरियम के पास आता है और वह गेब्रियल है। और वह उसके लिए एक संदेश भी लाता है। लूका 1 में, मेरे पास बस गलत आयतें थीं।

लूका 1:28 और उसके बाद। कभी-कभी स्वर्गदूत विद्रोहियों पर परमेश्वर का न्याय लाते हैं। 2 राजा 19:35, प्रेरितों के काम 12:23, प्रकाशितवाक्य 9:15। और स्वर्गदूत परमेश्वर के लोगों की सेवा भी करते हैं।

इब्रानियों 1:14. क्या वे सभी सेवा करने वाली आत्माएँ नहीं हैं, जो उद्धार पाने वालों की सेवा करती हैं? प्रेरितों के काम 5:19. खास तौर पर परमेश्वर के लोगों को सुरक्षित रखना, उन्हें संभाल कर रखना। मत्ती 2:13, प्रेरितों के काम 5:17-21 जहाँ स्वर्गदूत परमेश्वर के लोगों को आने वाले विरोध के बारे में चेतावनी देते हैं ताकि वे रास्ते से हट जाएँ। परमेश्वर के अनन्त पुत्र का सम्बन्ध स्वर्गदूतों से है।

वह उन्हें बनाता है। प्रेरितों के काम 1:16, पिता के प्रतिनिधि के रूप में। बाकी सब चीज़ों के साथ वह बनाता है।

यूहन्ना 1:3. सभी चीज़ें उसी के द्वारा बनाई गई थीं। शैतान मसीह को परखता है। मत्ती 4:1-11. मसीह के काम को विफल करने का प्रयास।

मत्ती 16:23. लूका 22:31. यूहन्ना 8:44. और शैतान यहूदा को भड़काता है, यूहन्ना 13:2. और फिर यहूदा को शक्ति देता है, यूहन्ना 13:27 यीशु को धोखा देने के लिए. अच्छे स्वर्गदूत मसीह के जीवन में भूमिका निभाते हैं. उनके जन्म की भविष्यवाणी करते हैं.

मत्ती 1:20. लूका 1:26-38. उसके जन्म की घोषणा. लूका 2:13-15. उसके प्रलोभन के बाद उसकी सेवा करना. स्वर्गदूत आकर उसकी सेवा करते थे.

मार्क 1:13. और गेथसेमेन में, लूका 22:43. उसके पुनरुत्थान की घोषणा करते हुए। वह यहाँ नहीं है, वह जी उठा है। मत्ती 28:2-5. यूहन्ना 20:15. उसके स्वर्गारोहण की गवाही देते हुए।

प्रेरितों के काम 1:10-11. और वे यीशु के लौटने पर उसके साथ होंगे। मत्ती 16:27. मत्ती 25:31. 2 थिस्सलुनीकियों 1:7.

शैतान और दुष्टात्माएँ हमारा अंतिम विषय है। परमेश्वर स्वर्गदूतों को पवित्र बनाता है, लेकिन उनमें से कई शैतान से जुड़ जाते हैं और परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करते हैं। हम पूरी तरह से समझ नहीं पाते कि ऐसा क्यों होता है, और फिर भी यह सच है। कई लोग सोचते हैं कि भविष्यवक्ताओं ने इस विद्रोह का वर्णन बेबीलोन और सोर के राजाओं में किया है।

यशायाह 14:12-14. यहजेकेल 28:12-17. मैं इसे एक विवादास्पद बिंदु के रूप में छोड़ दूंगा। मैं विशेष रूप से इस बात से सहमत नहीं हूँ कि ऐसा ही है। यह निश्चित रूप से उन विद्रोही राजाओं की बात करता है।

क्या यह प्रतीकात्मक रूप से शैतान के बारे में भी बात करता है जिसने उन्हें प्रेरित किया? मैं इसे पुराने नियम के विद्वानों पर छोड़ता हूँ, लेकिन यह धर्मशास्त्री निश्चित रूप से इसे सच नहीं मानेंगे। शैतान। प्रकाशितवाक्य 12:9-20। शायद यह एक या दो है।

ये नाम देता है। शैतान, बड़ा अजगर, पुराना साँप, या शैतान। प्रकाशितवाक्य 12:9. वह अपवित्र स्वर्गदूतों या दुष्टात्माओं का नेता है।

मत्ती 12:26. झूठा, हत्यारा है। यूहन्ना 8:44. दोष लगानेवाला। प्रकाशितवाक्य 20:10. और धोखेबाज़ है।

प्रकाशितवाक्य 12:9. शैतान, बड़ा अजगर, पुराना साँप या शैतान। प्रकाशितवाक्य 12:9. अपवित्र स्वर्गदूतों या दुष्टात्माओं का नेता। मत्ती 12:26. झूठा, हत्यारा है।

यूहन्ना 8:44. दोष लगानेवाला. प्रकाशितवाक्य 12:10. भाइयों पर दोष लगानेवाला. और धोखा देनेवाला.

प्रकाशितवाक्य 12:9. अपवित्र या चुने हुए स्वर्गदूत। हाँ, चुने हुए स्वर्गदूतों का संदर्भ है। 1 तीमुथियुस 5:21. तो परमेश्वर ने कुछ स्वर्गदूतों को चुना।

संभवतः वे वे लोग हैं जो गिरे नहीं। जो अचंभित या चुने हुए स्वर्गदूत हैं। 1 तीमुथियुस 5:21. वे अभी भी पवित्र हैं।

मार्क 8:38. लेकिन विद्रोही लोग स्पष्ट रूप से, फिर से वही शब्द है, अशुद्ध आत्माओं के साथ पहचाने जाने चाहिए। जब तक कि वे किसी अन्य प्रकार की इकाई न हों। मुझे लगता है कि उन्हें पहचाना जाना चाहिए।

क्या मैं इसे चर्च का एक ऐसा अनुच्छेद बनाऊंगा जिस पर आपको विश्वास करना होगा? नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा। क्या मैं इसे उसी विश्वास के साथ सिखाऊंगा जिस तरह मैं मसीह के ईश्वरत्व के बारे में सिखाता हूँ? नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक उचित धारणा है।

मत्ती 10:1. मरकुस 3:11. दुष्टात्माएँ, स्वर्ग में दुष्टता की आत्मिक शक्तियाँ। इफिसियों 6:12. शैतान की दुष्ट योजनाओं को पूरा करना। 2 कुरिन्थियों 11:15. मूर्तिपूजा को बढ़ावा देकर.

व्यवस्थाविवरण 32:16-17. भजन संहिता 106:36-38. 1 कुरिन्थियों 10:19-20. और झूठी शिक्षा. 1 तीमुथियुस 4:1. दुष्टात्माओं की शिक्षाएँ. इसका अर्थ भूतविद्या नहीं है; इसका अर्थ है झूठे भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से दुष्टात्माओं द्वारा प्रचारित और सिखाई गई शिक्षाएँ.

और दुष्टात्माएँ शैतान की दुष्ट योजनाओं को पूरा करती हैं। लोगों को अपने वश में करके उन्हें पीड़ित करती हैं। मत्ती 8:28. मत्ती 17:15. और 18.

दुष्टात्माएँ, स्वर्ग में दुष्टता की आत्मिक शक्तियाँ। इफिसियों 6:12. शैतान की दुष्ट योजनाओं को पूरा करना। 2 कुरिन्थियों 11:15. मूर्तिपूजा को बढ़ावा देकर।

व्यवस्थाविवरण 32:16-17. भजन संहिता 106:36-38. 1 कुरिन्थियों 10:19-20. झूठी शिक्षा देकर. 1 तीमुथियुस 4:1. और लोगों को वश में करके उन्हें पीड़ित करना. मत्ती 8:28. मत्ती 17:15. मत्ती 17:18. क्या विश्वासियों पर शैतान का कब्ज़ा हो सकता है? मुझे नहीं लगता.

लेकिन जाहिर है कि वे उससे पीड़ित हो सकते हैं। और परिणाम उतना अलग नहीं हो सकता। हालाँकि, मैं उन चीज़ों के किसी भी तरह के व्यावहारिक ज्ञान में अज्ञानता स्वीकार करता हूँ।

मैं ऐसे मिशनरियों को जानता हूँ जो मिशनरी क्षेत्र में गए थे, उन्हें दुष्टात्माओं के बारे में अधिक जानने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन वे इसके संपर्क में इसलिए आए क्योंकि वे ऐसे मनुष्यों से मिले जो वास्तव में दुष्टात्माओं के वश में थे या कम से कम बहुत पीड़ित थे। शैतान और उसके दुष्टात्माएँ परमेश्वर और उसके लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें नष्ट करना चाहते हैं। 1 पतरस 5 :8. शैतान एक गरजने वाले शेर की तरह घूमता है, जो नष्ट करने, निगलने की तलाश में रहता है।

शैतान कभी-कभी खुद को ज्योतिर्मय स्वर्गदूत के रूप में प्रच्छन्न कर लेता है। 2 कुरिन्थियों 11:14.15. शैतान अविश्वासियों के मन को अंधा कर देता है ताकि वे सुसमाचार पर विश्वास न करें। 2 कुरिन्थियों 4:4. शैतान विश्वासियों को भौतिकवाद की ओर प्रलोभित करता है।

1 तीमुथियुस 6:10. घमंड 3:6. अनैतिकता 1 कुरिन्थियों 7:5. झूठ बोलना.

प्रेरितों के काम 5:3. पापपूर्ण क्रोध. इफिसियों 4:26-27. क्षमा का अभाव. 2 कुरिन्थियों 2:6-8. और विभाजन.

तीतुस 3:10-11. शैतान झूठी शिक्षा को बढ़ावा देता है। 1 यूहन्ना 4:1-4. अवतार का इनकार। शुक्र है कि, परमेश्वर की शक्ति से विश्वासी शैतान का विरोध कर सकते हैं, जो परमेश्वर के शासन के अधीन है।

अय्यूब 1:9-12. लूका 22:31. याकूब 4:7. शैतान और दुष्टात्माओं का परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह उनके भाग्य को सील कर देता है. नरक में अनन्त दण्ड. मत्ती 25:41. प्रकाशितवाक्य 20:10. मैं ही परमेश्वर हूँ, और कोई दूसरा नहीं है.

मैं ईश्वर हूँ, और मेरे जैसा कोई नहीं है। यशायाह 46:9। केवल त्रिदेव ही ईश्वर हैं, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। केवल उन्हीं में ईश्वरत्व के सभी गुण हैं, उनके अद्वितीय गुण और वे गुण जो वे मनुष्यों के साथ साझा करते हैं।

वह अकेले ही सृष्टि और विधान के अपने अद्भुत कार्य करता है। वह अकेले ही सभी चीज़ों का निर्माण करता है, जिसमें स्वर्गदूत भी शामिल हैं, जिनमें से कुछ विद्रोही हैं। वह अकेला ही प्रभु है जो अंत में अपने लोगों को बचाएगा और अपने सभी शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगा।

उसकी महिमा सदा सर्वदा होती रहे। आमीन।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा धर्मशास्त्र या ईश्वर पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 20 है, ईश्वर, स्वर्गदूत, शैतान और राक्षसों के कार्य।